रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 123 इंदौर, शनिवार 10 मई 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

ऑपरेशन सिंदूर के बीच सेना चीफ को मिली एक्स्ट्रा 'पॉवर'

● सेना प्रमुख को टेरिटोरियल आर्मी बुलाने का मिला अधिकार ● चंडीगढ़-अंबाला में हवाई हमले की वॉर्निंग,सतर्कता के निर्देश ● देश के सभी राज्यों को इमरजेंसी पावर्स के इस्तेमाल का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के हालात बने हुए हैं। चंडीगढ़ और अंबाला में शुक्रवार को हवाई हमले की चेतावनी दी गई है। चंडीगढ़ में सेना की वेस्टर्न कमांड है, एनआईए का भी दफ्तर है। अंबाला में एयरफोर्स स्टेशन मौजूद है। तनाव के बीच केंद्र सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है। इसमें कहा गया है कि सेना प्रमुख चाहें तो वे टेरिटोरियल आर्मी के अफसरों-जवानों को बुला सकते हैं। टीए अर्धसैनिक बल है, जो जरूरत पड़ने पर सेना की सहायता करती है। उधर, गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इमरजेंसी पावर का इस्तेमाल करने का आदेश दिया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नेवी चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और सीडीएस अनिल चौहान ने ताजा हालात की जानकारी दी। गृहमंत्री भी बीएसएफ, सीआईएसएफ के अफसरों के साथ मीटिंग की। उन्होंने भारत-पाकिस्तान बॉर्डर और एयरपोर्ट्स की सिक्योरिटी की जानकारी ली। कृषि मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी तैयारियों को लेकर मीटिंग की। इस बीच एलओसी पर पाकिस्तानी फौज 3 दिन से लगातार फायरिंग कर रही है। इसमें 17 नागरिकों की मौत हुई है।

संघ उवाच

● पूरा देश तन,मन और धन से सरकार और सशस्त्र बलों के साथ-राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत सरकार और सुरक्षा बलों को बधाई दी। संघ ने कहा कि हिंदू टूरिस्ट्स के क्रूर हत्याकांड में पीड़ित परिवारों और देश को न्याय दिलाने के लिए इस कार्रवाई

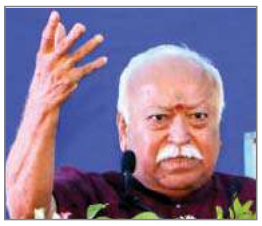

से पूरे देश का स्वाभिमान और साहस बढ़ा है। हमारा मानना है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों, उनके बुनियादी ढांचे और तंत्र के खिलाफ की जा रही सैन्य कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए जरूरी है। राष्ट्रीय संकट की घड़ी में पूरा देश तन, मन और धन से सरकार और सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है। हम सीमा पर धार्मिक स्थलों और रिहायशी इलाकों पर पाकिस्तानी सेना के हमलों की निंदा करते हैं। हमलों के शिकार हुए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।

तनाव के बीच आईपीएल एक सप्ताह के लिए टला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े टकराव के कारण बीसीसीआई ने आईपीएल को एक सप्ताह के लिए टाल दिया है। इसकी जानकारी उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को दी। उन्होंने कहा, यह अभी एक सप्ताह के लिए टाल दिया गया है। नया शेड्यूल एक सप्ताह के बाद जारी होगा। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी विदेशी खिलाड़ियों को अपने देश लौटने के लिए कहा गया है। नई तारीखें आने पर उन्हें सूचित किया जाएगा। अभी आईपीएल के 12 लीग मैच और 4 प्लेऑफ के मुकाबले बाकी हैं। टूर्नामेंट का फाइनल 25 मई को होना था। माना जा रहा है कि अगस्त में होने वाला भारत का बांग्लादेश दौरा रद्द किया जाएगा। सितंबर में होने वाला एशिया कप भी टाला जाएगा। इनकी जगह भारत में आईपीएल के बाकी मैच कराए जा सकते हैं।

शादी की रस्मों के बीच जवान को ड्यूटी पर बुलाया

● पत्नी को विवाह के बाद दी जानकारी, पिता बोले-देश और बेटा दोनों महफूज रहें

भोपाल। भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के चलते तीनों सेनाओं के जवानों की छुट्टियां कैंसिल कर दी गई हैं। अपनी शादी के लिए छुट्टी पर राजगढ़ आए एयरफोर्स के जवान मोहित राठौर को लौटना पड़ रहा है। गुरुवार को मोहित की शादी संपन्न हुई। शनिवार को वे ड्यूटी पर लौट जाएंगे। राजगढ़ के कुरावर के रहने वाले जवान मोहित राठौर दिल्ली

के नजदीक इसापुर एयरफोर्स स्टेशन पर कॉर्पोरल पद पर कार्यरत हैं। शादी से एक दिन पहले बुधवार को उन्हें तत्काल ड्यूटी पर लौटने के आदेश मिले। उन्होंने अधिकारियों को अपनी शादी की जानकारी दी, जिसके बाद दो दिन की छुट्टी स्वीकृत की गई। शादी के दौरान किसी प्रकार का भावनात्मक तनाव न हो, इसलिए पत्नी वंदना को शादी की रस्मों के बाद मोहित के लौटने की जानकारी दी। मोहित ने कहा, देश पहले है। विपरीत परिस्थितियों में भी हमारा पहला धर्म उसकी रक्षा करना है। शादी तो जीवनभर निभानी है, लेकिन यह समय देश के साथ खड़ा होने का है। जवान मोहित के पिता महेश राठौर किराना व्यापारी हैं। उन्होंने कहा कि बेटे की शादी की खुशी है, पर गर्व उससे भी बड़ा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि मेरा बेटा और देश दोनों महफूज रहें।

पठानकोट में सर्च ऑपरेशन,बठिंडा में पाकिस्तानी राकेट के टुकड़े गिरे

पठानकोट में देर रात हमले के बाद एयरबेस के पास पुलिस ने शुक्रवार सुबह सर्च ऑपरेशन चलाया है। इस दौरान नदी के किनारे बम मिला। जिसके बाद सेना ने इलाका खाली करा दिया। इसके साथ गांव करोली के पास ड्रोन मिला। सेना ने इसे कब्जे में ले लिया है। यहां सुबह साढ़े 4 बजे भी 3-4 धमाकों की आवाज सुनाई दी थी। गुरुवार रात हुए हमले के बाद बठिंडा में बीड़ तलाब और नथाना ब्लॉक के गांव तुंगवाली में खेतों में पाकिस्तानी रॉकेट के टुकड़े गिरे मिले। श्रीगंगानगर में शुक्रवार से शाम 7 बजे तक बाजार बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों को पूरी तरह से ब्लैक आउट करने के लिए कहा है।

एस 400-आकाश ने पाक ड्रोन्स को किया तबाह

बीएसएफ ने 7 पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया

जम्मू-कश्मीर में अब तक 17 लोगों की हो गई मौत

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में जम्मू, पठानकोट सहित 11 इलाकों में गुरुवार रात पाकिस्तान की ओर से 100 से ज्यादा ड्रोन, मिसाइलों से हमला किया गया। हालांकि, मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस 400 और आकाश ने हमले को नाकाम कर दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए सांबा इंटरनेशनल बॉर्डर में बीएसएफ ने 7 आतंकियों को मार गिराया है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा आज सेना के जवानों से मिलने उरी पहुंचे हैं। सीएम उमर अब्दुल्ला में घायलों से मुलाकात की है। वहीं, पाकिस्तान की ओर से एलओसी पर कुपवाड़ा, उरी, आरएसपुरा, बारामुला सहित कई सेक्टरों में लगातार गोलीबारी के साथ बमबारी भी जारी है, कई जगहों पर मिसाइल दागे जाने की खबर भी है। इन हमलों में अब तक 17 लोगों की जान चली गई है, वहीं 50 से ज्यादा लोग घायल हैं। 7 मई की रात से शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर हाई अलर्ट पर है।

नागरिक सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता:मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उच्चस्तरीय बैठक में दिए अहम निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा हमारा परम धर्म है और ताजा हालातों को देखते हुए सभी नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि जरूरी नागरिक सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए, सभी विभाग अपनी-अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें और सुरक्षा के सभी आवश्यक ऐहतियाती कदम तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि राष्ट्र विरोधी किसी भी प्रचार पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए। नागरिकों को अफवाहों पर ध्यान न देने की लिए प्रेरित और सूचित करें। केंद्रीय और राज्य सरकार के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की चहुंओर सुरक्षा पर अत्यंत विशेष ध्यान दिया जाये। आपदा प्रबंधन के सभी उपाय एवं आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य, अग्निशमन सेवाओं को और मजबूत कर लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की अद्यतन सुरक्षा व्यवस्थाओं, नागरिक सुविधाओं की स्थिति और विभागीय समन्वय की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आपसी तालमेल को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि किन्हीं भी आपातकालीन परिस्थितियों

के लिए सभी विभाग तत्परता और सजगता के साथ तैयार रहें। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां सामान्य होने तक नागरिक सुविधाओं की सहज आपूर्ति से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी और फील्ड अमला अवकाश पर न जाये। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव गृह जे.एन. कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक उपस्थित थे।

भोपाल में 250 युवतियों ने ली सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग

● तलवार, बंदूक,लाठी चलाना सीखा,बोलीं-इन हालातों में खुद की रक्षा में सक्षम होना जरूरी

भोपाल। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत की सेना ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की। भारत ने पाकिस्तान में 7 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के बाद भारत-पाक के बीच तनावपूर्ण माहौल है। इस बीच भोपाल में मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों की 250 छात्राओं और महिलाओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई है। भोपाल के शारदा विहार में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के अनुषांगिक संगठन दुर्गा वाहिनी की ओर से इस आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में छात्राओं ने ट्रेनिंग ली।

संपादकीय

भारतीय सेना की देश भर में हो रही सराहना

आपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले करके भारतीय सेना ने न केवल पहलगाम हमले का कड़ा जवाब दिया, बल्कि दुनिया के सामने अपनी रणनीतिक क्षमता का कुशल प्रदर्शन भी कर दिया है। इस हमले के बाद भारत सरकार को कूटनीतिक कामयाबी भी मिलती दिखने लगी है। इस अभियान की रणनीति तीनों सेनाओं ने मिल कर बनाई थी। हालांकि पाकिस्तान शुरू से शोर मचा रहा था कि भारत कभी भी उस पर हमला कर सकता है और इसके मद्देनजर उसने अपनी सामरिक तैयारियां तेज कर दी थी। मगर भारतीय सेना ने इतनी कुशलता से हवाई हमले किए और इतने सटीक निशाने साधे कि उसे समझने का मौका भी नहीं मिल पाया।

यह सेना और सरकार की बड़ी सूझबूझ है कि पाकिस्तान के किसी नागरिक, सैन्य और आर्थिक ठिकाने पर निशाना लगाने के बजाय सिर्फ आतंकी ठिकानों को लक्ष्य कर ध्वस्त किया गया। इस तरह दुनिया में किसी को इसके विरोध में कुछ कहने का मौका नहीं रह गया है। चीन तक समझ नहीं पा रहा कि भारत के इस कदम को कैसे गलत ठहराया जाए। हमले के तुरंत बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों के अपने समकक्षों को फोन कर हमले की जानकारी दी। इस तरह पाकिस्तान की कूटनीतिक घेराबंदी भी कर दी गई है।

आपरेशन सिंदूर के तहत मुख्य रूप से पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालयों तथा आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर हमले किए गए। उसके प्रमाण भी दुनिया के सामने पेश किए जा

चुके हैं। माना जा रहा है कि इस हमले में इन आतंकी संगठनों से जुड़े काफी लोगों की जान गई है। भारतीय सेना ने वहां के जिन नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए, उनमें से चार पाक अधिकृत कश्मीर में और बाकी उसके पंजाब प्रांत में स्थित थे। शायद पाकिस्तानी सेना को अंदाजा नहीं था कि भारतीय सेना पंजाब प्रांत के भीतर भी हमला कर सकती है।

उसने इस हमले की प्रतिक्रिया में भारत की सीमा पर कुछ नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं, पर उससे उसकी बौखलाहट ही जाहिर होती है। वह कुछ दिन पहले तक नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी कर भारतीय सेना को ललकार और अपनी परमाणु ताकत का धौंस दे रही थी, अब उसे समझ नहीं आ रहा कि कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। दरअसल, उसे लग रहा था कि चीन का समर्थन मिलेगा और भारत उसके भय से दब जाएगा। मगर अब आतंकवाद के खिलाफ हमले पर चीन कैसे पाकिस्तान का समर्थन करेगा, देखने की बात होगी।

इस हमले के बाद उचित ही भारतीय सेना की देश भर में सराहना हो रही है। विपक्षी दलों ने भी एक बार फिर सरकार के साथ अपनी एकजुटता जताई और सेना के कौशल की तारीफ की है। हालांकि अमेरिका जैसे कुछ देशों ने कहा है कि यह तनाव जितना जल्दी खत्म हो, उतना ठीक होगा। पर भारतीय जनभावना है कि पाकिस्तान में पल रहे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ उठाया गया यह कदम निर्णायक होना चाहिए।

सरकार भी इस भावना को गंभीरता से समझती है। इसलिए जिस तरह उसने सेनाध्यक्षों को निर्णय लेने की खुली छूट दी और सेना ने सूझबूझ से रणनीति तैयार की, उससे जाहिर है कि वह सधे कदम बढ़ाते हुए आतंकवाद को संरक्षण देने वालों को गहरे घाव देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मई में इंदौर बना ठंडी हवाओं और बारिश का शहर, रिकॉर्ड तोड़ वर्षा ने बदला मौसम का मिजाज

इंदौर। मई का महीना जहां आमतौर पर तेज गर्मी, चुभती धूप और झुलसाने वाली हवाओं के लिए जाना जाता है, वहीं इस बार इंदौर में मौसम पूरी तरह से बदला हुआ नजर आ रहा है। शुक्रवार दोपहर शहर के विभिन्न इलाकों में रिमझिम बारिश हुई, जो करीब 15 से 20 मिनट तक चली। इस बरसात के बाद थोड़ी देर के लिए सूर्यदेव ने दर्शन दिए, लेकिन फिर से बादलों ने आसमान पर कब्जा कर लिया। पूरे दिन मौसम की यही लुकाछिपी चलती रही, जिससे इंदौरवासियों को तपती गर्मी से बड़ी राहत मिली और मौसम पूरी तरह से खुशनुमा बना रहा। इस बार मई महीने में अब तक इंदौर में करीब पौने पांच इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर में मई माह में इससे पहले सबसे ज्यादा बारिश वर्ष 1886 में मात्र आधा इंच हुई थी। ऐसे में इस बार की बारिश ने 138 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिससे यह महीना अब इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है।

कल शुक्रवार को दोपहर के समय तेज हवाएं तो नहीं चलीं, लेकिन आसमान में घने बादल छाने लगे थे। इसके बाद हल्की रिमझिम शुरू हुई, जिसने थोड़ी ही देर में लोगों को छतरियों और दुकानों की छांव में भागने पर मजबूर कर दिया। बारिश कुछ ही मिनटों की थी, लेकिन मौसम को ठंडा और सुकूनदायक बना गई। इसके बाद जैसे ही बारिश रुकी, सड़कों पर वाहनों की आवाजाही फिर शुरू हो गई। शहर के कई क्षेत्रों में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार रात का न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री कम था। वहीं अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से पूरे 9 डिग्री कम रहा। आमतौर पर मई महीने में शहर का तापमान 40 डिग्री से ऊपर चला जाता है, लेकिन इस बार ठंडी हवाओं और बारिश की वजह से गर्मी का एहसास ही नहीं हुआ। हवा की रफ्तार करीब 25 किलोमीटर प्रति घंटा रही, लेकिन चूंकि तेज आंधी नहीं चली, इसलिए शहर में बिजली गुल होने की समस्या भी अपेक्षाकृत कम रही। अधिकांश इलाकों में बिजली आपूर्ति सामान्य रही, जिससे आमजन को ज्यादा परेशानी नहीं हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक भी यही स्थिति बनी रह सकती है। शहरवासियों को गर्मी से मिली यह राहत फिलहाल जारी रह सकती है, हालांकि अचानक मौसम के पलटने की आशंका भी बनी हुई है। इस अनपेक्षित और रिकॉर्डतोड़ बारिश ने जहां खेतों और पेड़ों को राहत दी है, वहीं लोगों के चेहरे पर भी ठंडक और मुस्कान ला दी है।

इंदौर महका हापुस आम की खुशबू से दो दिन तक चलेगा मेंगो जत्रा का रंगीन उत्सव

इंदौर। इंदौर में इस बार हापुस आम की महक से शहर भर में रौनक छाने वाली है। 9 मई से आयोजित हो चूका है ÷मेंगो जत्रा÷ का बारहवां संस्करण विशेष रूप से आकर्षक होने वाला है, क्योंकि इसमें 23 से अधिक आम उत्पादक, जो महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र (रत्नागिरी, देवगढ़) के प्रसिद्ध हापुस आम के उत्पादन में माहिर हैं, सीधे ग्राहकों को अपना उत्पाद विक्रय करेंगे। इस आयोजन में हापुस आम और कोंकण के अन्य आमों का स्वाद इंदौर के नागरिकों को मिलेगा। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन इंदौर के साउथ तुकोगंज स्थित ग्रामीण हाट बाजार, ढक्कन वाला कुआं में सुबह 9 बजे से लेकर रात 10 बजे तक किया जाएगा। मेले का उद्घाटन महामंडलेश्वर श्री दादू महाराज, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रांत सह संपर्क प्रमुख श्री विनय पिंगळे, मराठी साहित्य अकादमी के निर्देशक संतोष गोडबोले और उद्यमी राकेश रत्नपारखे के विशेष आतिथ्य में होगा। इस दौरान, जहां एक ओर हापुस आम की खुशबू महकेगी, वहीं दूसरी ओर मराठी व्यंजनों का स्वाद भी इंदौरवासियों को मिलेगा। यहां साम्भर वड़ी, कोकम शर्बत, वडा पाव, गरम चकली, अनारसे, मैंगो मस्तानी, मिसळ पाव, खोपरा पेटिस, श्रीखंड पूरी, अप्पे, पुरण पोळी, दही वडा जैसी विभिन्न स्वादिष्ट मराठी स्त्रद्दद्दद्धष्ठ्ठद्धद्दद्य के स्टॉल भी लगाए जाएंगे। साथ ही इंदौरी चाट चौपाटी का भी मजा लिया जा सकेगा। संस्था के सुधीर दांडेकर और राजेश शाह ने इस आयोजन को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए बताया कि इस बार भी हर वर्ष की तरह हापुस आम को स्वाद चखने के लिए नाममात्र शुल्क पर उपलब्ध रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान, परिसर में टू व्हीलर और फॉर व्हीलर के लिए पार्किंग की व्यवस्था भी निःशुल्क की गई है, ताकि आम उत्सव का आनंद लेने आए लोग बिना किसी परेशानी के पहुंच सकें। इस आयोजन को एक संपूर्ण पारिवारिक वीकेंड डेस्टिनेशन बनाने की कोशिश की गई है, ताकि लोग अपने परिवार के साथ आकर इस अद्भुत उत्सव का अनुभव कर सकें।

भारत-पाक के बीच बढ़ते तनाव पर नेपाल ने जताई चिंता

कहा- अपनी जमीन किसी विरोधी गतिविधि के लिए नहीं देंगे

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता जताई है और अपनी धरती का इस्तेमाल किसी भी शत्रुतापूर्ण गतिविधि के लिए न होने देने की प्रतिबद्धता दोहराई है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि वह हालिया घटनाओं से बेहद चिंतित है, विशेष रूप से उस आतंकी हमले के बाद जो भारत के पहलगाम में हुआ और जिसमें एक नेपाली नागरिक समेत 26 लोगों की जान गई। नेपाल सरकार ने अपने बयान में कहा, नेपाल पहलगाम में हुए निर्दोष पर्यटकों पर आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है और भारत के साथ इस दुख की घड़ी में खड़ा है।

बयान में यह भी स्पष्ट किया गया कि नेपाल अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण किसी भी शत्रुतापूर्ण ताकत को अपने पड़ोसियों के खिलाफ अपनी जमीन के इस्तेमाल की इजाजत नहीं देगा। नेपाल ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का समर्थन करते हुए कहा कि वह किसी भी प्रकार की हिंसा या आतंक की नीति का पक्षधर नहीं है।

इस बीच, नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री बिमलेंद्र निधि ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, हम आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ हैं और भारतीय सेना को इस सफल ऑपरेशन के लिए बधाई देते हैं। नेपाल की प्रतिक्रिया भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के एक दिन बाद आई है। भारत ने यह ऑपरेशन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर किया था। यह कदम पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के जवाब में उठाया गया।

पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अधिक ऋण देने का आग्रह किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति बनती दिख रही है। एक तरफ भारत अपने ही दम पर पाकिस्तान की खाट खड़ी कर रहा है। वहीं पाकिस्तान भारत की ओर से की जा रही जवाबी कार्रवाई से बुरी तरह प्रभावित हो गया है। भारत के मजबूत और पक्के इरादों को देखकर पाकिस्तान ने फिर दुनिया के सामने रोना शुरू कर दिया है। भारत से लड़ने में अक्षम पाकिस्तान अब एक बार फिर भीख मांगने पर मजबूर हो गया है। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत द्वारा पहुंचाए गए नुकसान की भरपाई के लिए और अधिक ऋण देने का आग्रह किया है।

पाकिस्तान ने ये आग्रह उस समय किया है जब वो भारत को गीदड़भभकी दिखा रहा है। मगर असलियत है कि पाकिस्तान की जेब पूरी तरह से खाली है। भारत द्वारा लिए गए इस एक्शन के बाद पाकिस्तान भीख मांगने पर मजबूर हो गया है। दरअसल पाकिस्तान सरकार के आर्थिक मामलों के प्रभाग द्वारा की गई थी। प्रभाग के आधिकारिक एक्स अकाउंट से मदद की गुहार लगाते हुए पोस्ट किया गया है। इस पोस्ट में दुनिया भर के देशों से अपील की गई है कि वो पाकिस्तान को कर्ज दें क्योंकि भारत के साथ लड़ाई में पाकिस्तान को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शनिवार 10 मई 2025
03
DIGITAL EDITION

छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं, घर में घुसकर मारेंगे...

भारत वीरों की एयर स्ट्राइक से पीओके व पाकिस्तान के आतंकी कैंपों में भयंकर तबाही हुई है, वहां पर बड़े पैमाने पर जान-माल का नुक़सान हुआ है। आतंकी हाफिज सईद के परिवार के 10 सदस्य मारे गये है। जिस वीरता के साथ आधी रात को भारतीय सेना के वीरों ने ऑपरेशन सिंदूर% के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (क्कश्च) की 9 जगह पर स्थित 21 ठिकानों को एयर स्ट्राइक करके ध्वस्त करते हुए शौर्य गाथा लिखने का कार्य किया है वह काबिले-तारीफ है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य भारत के खिलाफ पीओके व पाकिस्तान में चल रही आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने वाले आतंकवादी ठिकानों का नष्ट कर करते हुए आतंकियों के आका पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाना था। यहां हमें यह भी याद रखना चाहिए कि जिस तरह 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम की बैसरन घाटी में धर्म पूछ करके 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्ममता से हत्या की गयी थी, उसमें 25 पुरुष पर्यटकों की उनकी पत्नियों के सामने ही जघन्य हत्या कर दी गई थी। पहलगाम में हुए बर्बर हमले के बाद भारतीय सेना की यह एयर स्ट्राइक आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई है जिसके चलते ही लगता है कि इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के जांबाजों ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि भारत को छेड़ोगे तो हम छोड़ेंगे नहीं बल्कि घर में घुसकर मारेंगे।

दीपक कुमार त्यागी

7 मई की सुबह जब देशवासियों की आंखें नींद से खुली, तो देश व दुनिया की मीडिया व सोशल मीडिया के प्लेटफार्म भारत की शौर्य गाथा को बयान कर रहे थे, मीडिया के माध्यम से दुनिया को पता चला कि मां भारती के वीर सपूतों ने एक बार फिर से पाक व पीओके में एयर स्ट्राइक कर दी है, भारत के वीरों ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर जमकर के कहर बरपाने का कार्य कर दिखाया है। सूर्य उदय के साथ दिन ही देश व दुनिया में भारत की आतंकियों के ख़िलाफ़ की गयी बड़ी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर की गूंज जमकर सुनाई दे रही है। मां भारती के वीर सपूतों की टोली ने 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में पाकिस्तान के पिट्ठुओं आतंकियों के द्वारा पर्यटकों पर हमला करके की गयी कायराना हरकत का मूंह तोड़ ज़वाब देने का कार्य वीरता के साथ किया है। लेकिन भारत के वीर सपूतों की पाक परस्त आतंकवादियों के ख़िलाफ़ की गयी इस बहुत बड़ी कार्रवाई पर भारत सरकार की अधिकारिक मौहर लगना अभी भी बाकी था, इस ज्वलंत मसले पर पूरी दुनिया भारत सरकार के आधिकारिक रुख को देखना चाहती थी।

पल-पल इंतजार के बाद आखिर वह घड़ी आ ही गयी, जब भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की ऑफीशियल प्रेस ब्रीफिंग होने की सूचना आयी। प्रेस ब्रीफिंग में भारत सरकार के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, भारतीय सेना की तरफ से कर्नल सोफिया कुरैशी व वायुसेना की तरफ से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने आज सुबह 10.30 बजे भारत के जांबाजों के द्वारा पाक व पीओके में चुनिंदा आतंकवादियों के लक्षित एयर स्ट्राइक ऑपरेशन सिंदूर के वारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रेस ब्रीफिंग में सर्वप्रथम दशकों से चली आ रही पाकिस्तानी के द्वारा भारत में प्रायोजित आतंकवाद पर शार्ट फिल्म दिखाई गयी। उसके बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ब्रिफिंग में एयर स्ट्राइक के वारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री के द्वारा कही गई बातों का मूल सार यह है कि पहलगाम में हमला अत्यंत बर्बरतापूर्ण था, जिसमें पीड़ितों को बहुत नजदीक से सिर में गोली मारकर और उनके परिवार के सामने मारा गया, इस आतंकी घटना के पीड़ितों के माध्यम से आतंकियों के द्वारा मोदी सरकार को संदेश देने को कहा गया, यह हमला स्पष्ट रूप से कश्मीर में सामान्य स्थिति को कमजोर करने के उद्देश्य से व देश में दंगा फ़साद करवाने के उद्देश्य से किया गया था।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत सरकार ने यह जरूरी समझा कि पहलगाम हमले के साजिशकर्ताओं और साजिशकर्ताओं को न्याय के कटघरे में लाया जाए। लेकिन एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान की ओर से अपने क्षेत्र में चल रहे आतंकवादी ढांचे के खिलाफ कोई भी ठोस कदम धरातल पर नहीं उठाया गया। जिसके चलते ही भारत सरकार ने पाकिस्तान व पीओके में छिपकर बैठे आतंकियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत लक्षित ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करने का कार्य करके दुश्मनों के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने यह

साफ कर दिया कि भारत के जांबाजों ने पीओके में की गयी 9 ठिकानों एयर स्ट्राइक में पहलगाम आतंकी हमले के साथ-साथ मुंबई हमले से लेकर के अन्य तमाम हमलों का हिसाब बराबर करने का कार्य किया है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने एयर स्ट्राइक के वारे में विस्तार से बताते हुए देश व दुनिया को यह भी बताया कि आखिर भारतीय सेना ने पाकिस्तान व पीओके के 9 ठिकानों को ही निशाना क्यों बनाया है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय देने के लिए चलाया गया, यह ऑपरेशन 6-7 मई 2025 की रात 1.05 से 1.30 बजे तक कुल 25 मिनट तक चला, जिसके माध्यम से आतंकियों के ट्रेनिंग सेंटर, लॉन्च पैड को भारतीय जांबाजों ने हमला करके तबाह करने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि हमने उन आतंकी ठिकानों पर भी हमला किया है, जहां कसाब, हेडली ने ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने दुनिया को यह भी बताया की हमने पाकिस्तान ने किसी भी सैन्य या नागरिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया है। हमने एयर स्ट्राइक के माध्यम से पाक व पीओके में फल-फूल रहे आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर नष्ट किया है। यहां आपको बता दें कि आतंकवादियों की सुरक्षित पनाहगाह पीओके व पाकिस्तान में पाक हुक्मरानों की कृपा से आतंकवादियों की ट्रेनिंग के लिए पिछले कई दशकों में बड़े पैमाने पर इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है, जो निर्माण कार्य अब भी बेख़ौफ़ निरंतर जारी है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के द्वारा पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) व पाकिस्तान में बने बेहद अहम आतंकवादी ठिकानों का ध्वस्त किया गया है, भारत ने सबसे पहले सवाई नाला कैंप मुजफ्फराबाद जोकि एलओसी से लगभग 30 किमी दूर है और लश्कर तैयबा को ट्रेनिंग सेंटर है, उसको तबाह करने का कार्य किया, इस कैंप में ही 20 अक्तूबर 2024 सोनमर्ग, 24 अक्तूबर 2024 गुलमर्ग, 22 अप्रैल 2025 पहलगाम हमले के आतंकियों ने ट्रेनिंग ली थी।

मुजफ्फराबाद स्थित सैयदना बिलाल कैंप, जैश ए मोहम्मद का स्टेजिंग एरिया है, यहां से आतंकियों को जंगल ट्रेनिंग और हथियार आदि मुहैया कराये जाते थे। गुलपुर कैंप, कोटली में लश्कर का बेस कैंप था, जो राजौरी और पुंछ में सक्रिय था, यही पर 20 अप्रैल 2023 पुंछ और 9 जून 2024 तीर्थयात्रियों को बस हमले के आतंकियों को ट्रेनिंग दी गयी थी। अब्बास कैंप कोटली में लश्कर की फिदायीन टीम तैयार होती थी, जिसको तबाह कर दिया गया है। बरनाला कैंप, यह एलओसी के निकट स्थित आतंकियों का एक महत्वपूर्ण लॉन्च पैड है, यहां से अकसर आतंकियों को भारत में घुसपैठ कराई जाती है। देश में कई आतंकी हमलों में शामिल आतंकी यही से निकले हैं। भारतीय जांबाजों ने पाकिस्तान के सियालकोट में स्थित सरजल कैंप पर भी एयर स्ट्राइक की है, इस कैंप से ट्रैंड किये गये आतंकियों ने ही मार्च 2025 में जम्मू और कश्मीर पुलिस के चार जवानों की हत्या की थी। यहां पर हिजबुल मुजाहिदीन का बहुत बड़ा कैंप था, जो कठुआ व जम्मू आदि क्षेत्र में आतंक फैलाने का एक महत्वपूर्ण कंट्रोल रूम था, पंजाब स्थित पठानकोट एयरबेस पर हमला का यहीं प्लान किया गया था। मरकज तैयबा, मुरीदके में 2008 के मुंबई हमले के आतंकियों ने ट्रेनिंग ली थी, अजमल कसाब और डेविड हेडली जैसे आतंकी यहीं ट्रैंड किये गये थे। मरकज सुभान अल्लाह, बहावलपुर, जैश-ए-मोहम्मद का हैडक्वार्टर था, इस कैंप में आतंकियों की भर्ती करके उन्हें ट्रेनिंग दी जाती थी।

सूत्रों से खबर आ रही हैं कि भारत वीरों की एयर स्ट्राइक से पीओके व पाकिस्तान के आतंकी कैंपों में भयंकर तबाही हुई है, वहां पर बड़े पैमाने पर जान-माल का नुक़सान हुआ है। आतंकी हाफिज सईद के परिवार के 10 सदस्य मारे गये है। जिस वीरता के साथ आधी रात को भारतीय सेना के वीरों ने ऑपरेशन सिंदूर% के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (क्कश्च) की 9 जगह पर स्थित 21 ठिकानों को एयर स्ट्राइक करके ध्वस्त करते हुए शौर्य गाथा लिखने का कार्य किया है वह काबिले-तारीफ है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य भारत के खिलाफ पीओके व पाकिस्तान में चल रही आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने वाले आतंकवादी ठिकानों का नष्ट कर करते हुए आतंकियों के आका पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाना था। यहां हमें यह भी याद रखना चाहिए कि जिस तरह 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम की बैसरन घाटी में धर्म पूछ करके 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्ममता से हत्या की गयी थी, उसमें 25 पुरुष पर्यटकों की उनकी पत्नियों के सामने ही जघन्य हत्या कर दी गई थी। पहलगाम में हुए बर्बर हमले के बाद भारतीय सेना की यह एयर स्ट्राइक आतंकियों पर जवाबी कार्रवाई है जिसके चलते ही लगता है कि इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के जांबाजों ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि भारत को छेड़ोगे तो हम छोड़ेंगे नहीं बल्कि घर में घुसकर मारेंगे।

भारत हर मोर्चे पर मजबूत

सीमा पर जवान सतर्क, खेतों में किसान सक्रिय, देश में अन्न संकट की कोई संभावना नहीं - कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बयान ने मौजूदा भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच देश को भरोसा और संबल देने का कार्य किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भारत हर मोर्चे पर पूरी तरह से तैयार है। जहां सीमा पर देश के वीर जवान दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैनात हैं, वहीं खेतों में देश के मेहनती किसान पूरी लगन से काम कर रहे हैं। इस कठिन समय में भारत का हर नागरिक अपने कर्तव्य के लिए जागरूक है और यह एकजुटता ही भारत की असली ताकत है। शिवराज सिंह चौहान ने अपने वक्तव्य में पूर्व प्रधानमंत्रियों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि जब लाल बहादुर शास्त्री ने ÷जय जवान-जय किसान÷ का नारा दिया था, तब से यह देश की आत्मा में बस चुका है। अटल बिहारी वाजपेयी ने इसमें ÷जय विज्ञान÷ को जोड़ा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे और आगे बढ़ाते हुए ÷जय अनुसंधान÷ की बात कही। यह श्रृंखला इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल सैन्य शक्ति या कृषि उत्पादन में ही नहीं, बल्कि विज्ञान और अनुसंधान में भी लगातार प्रगति कर रहा है। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि देश में खाद्यान्न को लेकर कोई संकट नहीं है। उन्होंने बताया कि गेहूं के भंडार भरपूर हैं, चावल के गोदाम भरे हुए हैं, दालों का पर्याप्त बफर स्टॉक उपलब्ध है। खाद्यान्न की कोई कमी नहीं है और भारत हर नागरिक की आवश्यकता को पूरा करने में सक्षम है। शिवराज ने यह संदेश भी दिया कि किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि देश का अन्न भंडार सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने यह भी दोहराया कि चाहे सीमा की सुरक्षा हो या देशवासियों के भोजन का सवाल, भारत पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। जवान चौकस हैं, किसान सजग हैं और वैज्ञानिक अनुसंधान में जुटे हैं। यह तिकड़ी ही भारत को आत्मनिर्भर और अडिग बनाती है। उनके इस बयान ने न सिर्फ देश को भरोसा दिया है, बल्कि यह भी दर्शाया है कि भारत केवल संकट का सामना ही नहीं करता, बल्कि उसे अवसर में बदलने की क्षमता भी रखता है।

मध्य प्रदेश में 10 करोड़ की साइबर ठगी का भंडाफोड़: बैंक अधिकारी समेत छह गिरफ्तार, 160 से ज्यादा म्यूल अकाउंट फ्रीज

शहडोल। देशभर में फैले साइबर ठगी नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है। इस गिरोह ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंकों में सैकड़ों खाते खोलकर करोड़ों रुपये की ऑनलाइन ठगी को अंजाम दिया। अब तक की जांच में 10 करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन का खुलासा हो चुका है। पुलिस ने इस मामले में एक्सिस बैंक के एक असिस्टेंट मैनेजर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 160 से ज्यादा म्यूल अकाउंट्स को फ्रीज कर दिया गया है। शहडोल के बुढ़ार थाना क्षेत्र में रहने वाले एक कैफे संचालक हिरेन्द्र विश्वकर्मा और उसके साथी अभिषेक द्वारा की गई शिकायत से इस मामले की शुरुआत हुई। दोनों ने रिपोर्ट दी कि आदित्य मिश्रा और ऋषि चौधरी नाम के दो युवकों ने खुद को गूगल पे का एजेंट बताते हुए उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड और फिंगरप्रिंट ले लिए थे। बाद में पता चला कि उनके नाम से हस्ष्ठरुपेमेंट बैंक और फिनो बैंक में फर्जी खाते खोलकर ठगी में इस्तेमाल किए गए हैं।पुलिस ने जब इस नेटवर्क की परतें खोलीं तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। मुख्य आरोपी आदित्य मिश्रा ने स्वीकार किया कि वह टेलीग्राम के जरिए साइबर अपराधियों से जुड़ चुका था और 10,000 रुपये प्रति खाता के हिसाब से फर्जी बैंक खाते खोलकर उन्हें बेचा करता था। वह गांव के भोले-भाले लोगों को पैसे का लालच देकर उनके दस्तावेज जुटाता था। इस जाल में एक्सिस बैंक का असिस्टेंट मैनेजर विकास साहू भी शामिल था, जो बैंकिंग प्रक्रियाओं में सहयोग करता था। आरोपियों ने हस्ष्ठरु फिनो बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, एयरटेल पेमेंट बैंक और इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक जैसे वित्तीय संस्थानों में फर्जी तरीके से खाते खुलवाए। जांच में सामने आया कि इनमें से कई खातों में माता-पिता के नाम तक एक जैसे दर्ज थे, जिससे यह साफ हो गया कि डेटा एक ही जगह से तैयार किया गया था। इन खातों से ब्क्ष्ठु, कैश और अन्य डिजिटल माध्यमों से 10 लाख से 50 लाख रुपये तक के ट्रांजेक्शन हुए, जिनमें से कई खाताधारकों को यह तक नहीं पता था कि उनके नाम पर कोई खाता मौजूद है।

ऑपरेशन सिंदूर में पराक्रम दिखाने वाली कर्नल सोफिया को CM डॉ. मोहन यादव ने बताया गौरव का प्रतीक

भोपाल। भारतीय सेना की जांबाज़ अफसर कर्नल सोफिया कुरैशी, जो हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ सफलतापूर्वक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद राष्ट्रीय चर्चाओं में आईं, उन्हें लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अत्यंत भावुक और सम्मानजनक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कर्नल सोफिया ने न केवल देश का, बल्कि विशेष रूप से मध्य प्रदेश का गौरव भी ऊँचा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा ङ्क ÷हमारी कर्नल सोफिया कुरैशी ने भारत का मान बढ़ाया है, मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि वह हमारे राज्य से हैं।÷ डॉ. मोहन यादव ने नारी शक्ति और राष्ट्रीय एकता पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि सोफिया कुरैशी इस बात का प्रमाण हैं कि बेटियां किसी भी मोर्चे पर पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा ङ्क ÷क्या बेटियां कम पड़ती हैं? क्या हिंदू, क्या मुसलमान? आज देश एक है, एकजुट है। चाहे कश्मीर हो या कन्याकुमारी, चाहे कोई भी धर्म या राजनीतिक विचारधारा हो ङ्क सभी प्रधानमंत्री के साथ हैं। आजादी के बाद यह पहला अवसर है जब दुश्मनों के खिलाफ पूरा देश एक स्वर में खड़ा हुआ है।÷ कर्नल सोफिया कुरैशी का जीवन भी उतना ही प्रेरणादायक है जितना उनका सैन्य योगदान। उनका जन्म वर्ष 1976 में पुणे में हुआ था, लेकिन उनके पिता के सेना में होने के कारण वे जल्द ही अपने परिवार के साथ मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के नौगांव कस्बे में आ बसीं। यही वह स्थान है जिसे सोफिया अपना असली घर मानती हैं। उनका पुश्तैनी मकान आज भी नौगांव में स्थित है। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा यहीं के जीटीसी स्कूल से प्राप्त की, जहाँ उन्होंने पहली से तीसरी कक्षा तक पढ़ाई की। बाद में पिता की पोस्टिंग के कारण उनका स्थानांतरण होता रहा, लेकिन उनकी आत्मा और जुड़ाव बुंदेलखंड की मिट्टी से हमेशा बना रहा।

कर्नल सोफिया केवल एक सैन्य अधिकारी नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। तीन पीढ़ियों से सेना में सेवा देने वाले इस परिवार की यह बेटी आज देश की सुरक्षा और गौरव का प्रतीक बन गई है। ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका ने यह साबित कर दिया कि भारत की बेटियां जब ठान लें, तो दुश्मन की हर साजिश ध्वस्त हो जाती है। मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया यह बयान सिर्फ एक प्रशंसा नहीं है, बल्कि यह समूचे प्रदेश के गर्व और राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कर्नल सोफिया आज देश की आवाज़ हैं ङ्क नारी शक्ति, राष्ट्र सेवा और भारतीय आत्मबल की जीती-जागती मिसाल।

भारत-पाक तनाव के बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा बढ़ाई गई

बुलेटप्रूफ शील्ड समेत विशेष सुरक्षा बल तैनात

भोपाल। देश भर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता के माहौल के बीच मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा को और अधिक मजबूत कर दिया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार बढ़ते तनाव के चलते केंद्र और राज्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मुख्यमंत्री को संभावित खतरों के मद्देनज़र अतिरिक्त सुरक्षा देने का निर्णय लिया गया है। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के उच्चाधिकारियों और राज्य के गृह विभाग के परामर्श के बाद लिया गया है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में अब पोर्टेबल फोल्डआउट बैलिस्टिक शील्ड को भी शामिल किया गया है, जो विशेष रूप से हमले की स्थिति में त्वरित सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। यह अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण युद्ध जैसे हालात और आतंकी हमलों से सुरक्षा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि जब भी किसी प्रकार की संदिग्ध या खतरनाक गतिविधि की आशंका होती है, तो इसे नीचे की ओर झटका देकर तेजी से खोला जा सकता है। यह बुलेटप्रूफ शील्ड क्षणभर में पूरी तरह फैल जाती है और सामने खड़े व्यक्ति को पूरी तरह ढक लेती है, जिससे वह गोली या बम जैसी किसी भी आपदा से सुरक्षित रह सके। इसके अलावा मुख्यमंत्री की सुरक्षा में लगे सुरक्षा कर्मियों और अधिकारियों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। अब अधिक संख्या में विशेष प्रशिक्षित जवान चौबीसों घंटे उनकी निगरानी में तैनात रहेंगे। राजधानी भोपाल में उनके आवास, यात्रा मार्ग, सार्वजनिक कार्यक्रमों और सभा स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया गया है। खुफिया तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है, जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। यह निर्णय उस समय लिया गया है जब देश में आतंरिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है और पाकिस्तान की ओर से लगातार उकसावे की कार्रवाइयां सामने आ रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश भर में लगातार सक्रिय हैं और जनता से सीधा संवाद भी कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें मिली अतिरिक्त सुरक्षा न केवल एक एहतियात है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि राज्य किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

भारत-पाक युद्ध की स्थिति में मध्य प्रदेश में अलर्ट

पुलिस विभाग की सभी छुट्टियाँ रद्द, अफसरों को 24 घंटे सतर्क रहने के निर्देश

भोपाल। भारत और पाकिस्तान के बीच हालात युद्ध की ओर बढ़ते जा रहे हैं, ऐसे में देशभर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गहन सतर्कता बरती जा रही है। मध्य प्रदेश में भी हालात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महकमे में एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया गया है। राज्य के डीजीपी कैलाश मकवाना ने समूचे पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश देते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियाँ तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी हैं। राज्य के पुलिस महकमे में यह फैसला उस समय लिया गया जब सीमा पार से लगातार तनाव की खबरें आ रही हैं और आंतरिक सुरक्षा के लिहाज़ से संवेदनशील जिलों में किसी भी अप्रत्याशित गतिविधि से इनकार नहीं किया जा सकता। डीजीपी मकवाना ने शुक्रवार को राज्य के सभी पुलिस अधीक्षकों, रेंज आईजी और एडीजी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक अहम बैठक की। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि पुलिस अब सिर्फ कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अफवाह या आपराधिक कोशिश पर तत्काल और कठोर कार्रवाई करेगी।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में सभी अधिकारियों को सतर्क रहने, हर प्रकार की सूचना को गंभीरता से लेने और अफवाहों से निपटने के लिए सोशल मीडिया पर भी निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में संवेदनशील स्थानों, धार्मिक स्थलों,

रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की मौजूदगी सुनिश्चित करें और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर गश्त करें। डीजीपी ने यह भी साफ किया कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों ने पहले से छुट्टियों के लिए आवेदन कर रखा था, उन सभी को रद्द कर दिया गया है। कोई भी पुलिसकर्मी अब बिना अनुमति के छुट्टी नहीं ले सकेगा और उसे तत्काल ड्यूटी पर लौटना होगा। राज्य सरकार और पुलिस महकमा पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है, ताकि किसी भी प्रकार की आतंरिक या बाहरी गड़बड़ी को समय रहते रोका जा सके। यह निर्णय सिर्फ एक प्रशासनिक फैसला नहीं बल्कि इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मध्य प्रदेश अब हर संभावित चुनौती का डटकर सामना करने को तैयार है।

इंदौर बना देश का पहला भिखारी मुक्त शहर, कभी सड़कों पर दिखते थे 5,000 भिक्षुक, अब सबको मिला नया जीवन

इंदौर। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी और देश के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में पहचाना जाने वाला इंदौर अब एक और ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ राष्ट्रीय चर्चा में है। यह शहर अब देश का पहला भिखारी मुक्त शहर बन गया है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी औपचारिक घोषणा करते हुए बताया कि यह सफलता सिर्फ किसी अभियान का परिणाम नहीं, बल्कि समाज, सरकार और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है जिसमें हज़ारों लोगों का जीवन नए सिरे से संवारा गया है। एक समय था जब इस शहर की सड़कों पर करीब 5,000 भिखारी देखे जाते थे, जिनमें 500 से अधिक बच्चे शामिल थे। लेकिन अब इनकी जगह शहर में आशा, आत्मनिर्भरता और पुनर्वास की मिसालें देखी जा रही हैं।

इस उपलब्धि का श्रेय शहर में चलाए गए सुनियोजित, सघन और संवेदनशील अभियान को दिया जा रहा है। कलेक्टर

आशीष सिंह ने जानकारी दी कि इस अभियान के अंतर्गत पहले चरण में जागरूकता फैलाई गई, इसके बाद भिखारियों की पहचान कर उन्हें पुनर्वास केंद्रों में भेजा गया और उनमें से कई को स्थायी रोजगार से जोड़ा गया। वहीं भिक्षावृत्ति

में शामिल बच्चों को शिक्षा से जोड़ा गया और स्कूलों में दाखिल कराया गया, जिससे उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल गई। इंदौर में चलाया गया यह भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान अब देशभर के लिए एक मॉडल बन गया है। इस मॉडल को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और विश्व बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने भी सराहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधौलिया के अनुसार, जब फरवरी 2024 में यह अभियान शुरू हुआ था, तब शहर में भीख मांगने वाले कई पेशेवर भिखारी राजस्थान जैसे अन्य राज्यों से भी आते थे। लेकिन प्रशासन ने सख्ती के साथ इन्हें रोका, पुनर्वास की व्यवस्था की और जो लोग सुधार की राह पर चलना चाहते थे, उन्हें हरसंभव मदद दी। इसके साथ ही प्रशासन ने भीख देने और भिखारियों से कोई वस्तु या सेवा खरीदने पर भी कानूनी प्रतिबंध लगाया है। इस कानून के उल्लंघन पर अब तक तीन प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। इतना ही नहीं, शहर में किसी भी स्थान पर यदि कोई व्यक्ति भिक्षावृत्ति की सूचना प्रशासन को देता है, तो उसे 1,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है और कई जागरूक नागरिकों को यह इनाम मिल भी चुका है। यह गौर करने वाली बात है कि इंदौर उन 10 शहरों में शामिल था, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा भिक्षुकमुक्त बनाने की प्रायोगिक परियोजना के अंतर्गत चुना गया था, लेकिन इंदौर ने न केवल सबसे पहले इस लक्ष्य को हासिल किया, बल्कि यह भी दिखा दिया कि इच्छाशक्ति, समाज की भागीदारी और प्रशासन की संकल्पशक्ति मिल जाए तो कोई भी सामाजिक समस्या समाप्त की जा सकती है। अब इंदौर न सिर्फ सफाई में, बल्कि मानवीय संवेदना और सामाजिक पुनर्निर्माण में भी देश का अग्रणी शहर बन चुका है।

नगर निगम का पोर्टल शुरू हुआ, लेकिन डाटा में भारी गड़बड़ी से नागरिकों को हो रही परेशानी

इंदौर। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर के नगर निगमों के लिए बनाई गई पोर्टल सेवा आखिरकार 37 दिनों बाद कार्य करने लगी है। हालांकि, इस पोर्टल के शुरू होते ही शहर के नागरिकों के लिए समस्याओं का सिलसिला भी शुरू हो गया। जहां एक ओर पोर्टल को टैक्स, जल कर और अन्य शुल्कों के लिए इस्तेमाल किया जाना था, वहीं, डाटा में भारी गड़बड़ी सामने आई है, जिससे नगर निगम के राजस्व अधिकारियों के लिए परेशानी खड़ी हो गई है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, इस पोर्टल का उद्घाटन करने के बाद, गुरुवार को दोपहर के समय यह कार्य शुरू हुआ। जैसे ही पोर्टल चालू हुआ, इंदौर नगर निगम में विभिन्न टैक्स के रूप में नागरिकों द्वारा 20 लाख रुपये की राशि जमा कर दी गई। लेकिन पोर्टल के डाटा की जांच करने पर अधिकारियों ने पाया कि इसमें भारी गड़बड़ी है। इसके कारण अब शहर के नागरिकों से वसूली के लिए मैनुअल शीट पर आधारित जानकारी का सहारा लिया जा रहा है। यह स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि पोर्टल के जरिए मैनुअल तरीके से ही बकाया राशि का भुगतान कराया जा सकता है।

इस पोर्टल के लिए बनाई गई

कार्यप्रणाली ने और भी समस्याएं पैदा कर दी हैं। इस साल के वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद, 31 मार्च को पोर्टल को डाटा अपडेट के लिए बंद कर दिया गया था, लेकिन उसे 37 दिन बाद खुलने में सफलता मिली। इस लंबी प्रक्रिया ने उन नागरिकों को असुविधा में डाल दिया है जो एडवांस टैक्स जमा कर चुके थे, क्योंकि उनकी छूट को पोर्टल में एंट्री किए बिना कुछ नहीं हो सकता था। दूसरी ओर, नगर निगम द्वारा हर साल आयोजित की जाने वाली लोक अदालत, जो बकाया टैक्स जमा करने के लिए आयोजित की जाती है, इस बार कुछ हद तक तैयारियों में कमी का सामना कर रही है। आम तौर पर, इस लोक अदालत के माध्यम से निगम कम से कम 25 करोड़ रुपये की राशि जमा करता है। लेकिन पोर्टल की समस्या के कारण इस बार निगम को अपनी योजना में संशोधन करना पड़ सकता है। लोक अदालत में बकाया टैक्स जमा करने का कार्य अगले दिन यानी 10 मई से शुरू होगा, लेकिन अधिकारियों को यह चिंता है कि पोर्टल कब तक चल पाएगा और इसकी कार्यप्रणाली पर विश्वास करना कितना सुरक्षित होगा। निगम द्वारा इस बार एसएमएस के माध्यम से नागरिकों को बकाया टैक्स के भुगतान के बारे में सूचित किया जा रहा है। लेकिन यह सवाल भी बना हुआ है कि पोर्टल कब तक स्थिर रहेगा और इसकी कार्यप्रणाली में सुधार कब तक किया जा सकेगा। नगर निगम और नागरिक दोनों ही इस पोर्टल की कार्यकुशलता पर निर्भर हैं, लेकिन वर्तमान में स्थिति बहुत ज्यादा स्पष्ट नहीं है।

भारत-पाक तनाव के बीच इंदौर एयरपोर्ट पर अलर्ट मोड

डबल सिक्योरिटी चेक और गाड़ियों की भी सख्त जांच शुरू

इंदौर। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात बनते देख देशभर के प्रमुख शहरों में सुरक्षा व्यवस्था को अलर्ट मोड पर रखा गया है, वहीं इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा एजेंसियों ने कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। एयरपोर्ट पर अब यात्रियों को डबल सिक्योरिटी चेकिंग से गुजरना पड़ रहा है और परिसर में प्रवेश करने वाली हर गाड़ी की भी गंभीरता से जांच की जा रही है। इस सख्ती का उद्देश्य किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को एयरपोर्ट परिसर के पास आने से पहले ही रोकना है।

सीआईएसएफ द्वारा एयरपोर्ट के अंदर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सख्त कर दिया गया है। अब यात्रियों की दो बार जांच की जा रही है, एक बार प्रवेश द्वार पर और दूसरी बार चेक-इन से पहले। इसके अलावा स्थानीय पुलिस द्वारा एयरपोर्ट गेट के बाहर ही गाड़ियों की जांच की जा रही है, जिसमें हर वाहन की बारीकी से तलाशी ली जा रही है। यह प्रक्रिया सिर्फ आम नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रोटोकॉल गाड़ियों और स्टाफ ट्रांसपोर्ट तक पर भी लागू की जा रही है।

एयरपोर्ट प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, अब सीआईएसएफ ने दिन और रात दोनों

समय में एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल की गश्त और निगरानी शुरू कर दी है। पहले यह जांच सिर्फ रात के समय होती थी, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए इसे 24 घंटे सक्रिय कर दिया गया है। हालांकि इंदौर से देश के विभिन्न शहरों के लिए उड़ानें सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं, लेकिन कुछ गंतव्यों के लिए फ्लाइट्स अस्थायी रूप से निरस्त की गई हैं। इंदौर से चंडीगढ़, जोधपुर और जम्मू के लिए उड़ानें 10 मई तक रद्द कर दी गई हैं। चंडीगढ़ की फ्लाइट गुरुवार को रद्द रही, जबकि जोधपुर और जम्मू की फ्लाइट्स लगातार दूसरे दिन उड़ान नहीं भर सकीं। इसका मुख्य कारण राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए इन शहरों के एयरपोर्ट्स का अस्थायी रूप से बंद किया जाना है।

गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशभर में एयरपोर्ट्स की सुरक्षा को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया गया है। देश के 16 एयरपोर्ट फिलहाल बंद किए गए हैं, जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। इंदौर जैसे शहरों में हालांकि हवाई सेवा चालू है, लेकिन उच्चतम स्तर की सतर्कता बरती जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा बल तैयार रहें। यह तय है कि आने वाले दिनों में जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, इंदौर एयरपोर्ट पर प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति और वाहन को कड़े जांच और निगरानी के दौर से गुजरना पड़ेगा। प्रशासन का कहना है कि यह कदम यात्रियों की सुरक्षा और जनहित में बेहद जरूरी है और इसमें नागरिकों का सहयोग ही सबसे बड़ी ताकत होगा।

एशिया कप में हिस्सा नहीं लेगा भारत! जाने कब हो सकते हैं आईपीएल के बचे हुए मैच

नई दिल्ली। भारत पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के कारण इस समय यह बहुत कम संभावना है कि भारत बांग्लादेश (अगस्त) का दौरा करेगा और इस साल के अंत में एशिया कप (सितंबर) में भाग लेगा। यह विश्वसनीय रूप से माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) जरूरत पड़ने पर आईपीएल के शेष मैचों को पूरा करने के लिए इस समय का इस्तेमाल कर सकता है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) वर्तमान में एक ऐसी विंडो पर काम कर रहा है, जहां वे आईपीएल 2025 के शेष 17 मैचों (धर्मशाला मैच भी शामिल है, जो बीच में ही रद्द कर दिया गया था) का आयोजन कर सकें, जिसमें दो क्वालीफायर, एक एलिमिनेटर और फाइनल शामिल हैं।

भारत को जून के पहले सप्ताह में पांच मैचों के टेस्ट दौरे के लिए इंग्लैंड जाना है और अगर तनाव जल्दी कम नहीं होता है तो बीसीसीआई के लिए अगस्त-सितंबर का समय टूर्नामेंट को पूरा करने का एकमात्र अवसर हो सकता है। भले ही आईपीएल भारत के बांग्लादेश दौरे और एशिया कप से पहले पूरा हो जाए, लेकिन यह पूरी तरह से संभव नहीं है। बीसीसीआई इस रुख को नरम करने के मूड में नहीं दिख रहा है।

गुरुवार रात धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड अब यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ सदस्य सुरक्षित रहें और किसी तरह की घबराहट की स्थिति में न हों। शुक्रवार को आईपीएल के सभी खिलाड़ी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मैच के लिए लखनऊ में थे जिसे भी रद्द कर दिया गया है। इसी के साथ ही पूरी लीग को ही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया।

गौर हो कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। गुरुवार को हवाई हमले की चेतावनी और जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, जालंधर, होशियारपुर, मोहाली और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ सहित भारत के कई जिलों में थमाके की आवाजें सुनाई दी और ब्लैकआउट लागू कर दिया गया।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच रद्द नहीं होगी पाकिस्तान सुपर लीग, विदेश में खेले जाएंगे बचे हुए मैच

लाहौर- पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के साथ चल रहे सैन्य टकराव के कारण शुक्रवार को पाकिस्तान सुपर लीग के बाकी बचे मैचों को संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित करने का फैसला किया, क्योंकि टूर्नामेंट में भाग ले रहे विदेशी खिलाड़ी चिंतित हैं। शुक्रवार की सुबह बयान जारी करके कहा कि टूर्नामेंट के आखिरी आठ मैच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किए जाएंगे। पहले इनका आयोजन रावलपिंडी, मुल्तान और लाहौर में होना था। बयान के अनुसार इन मैचों का कार्यक्रम निर्धारित समय पर साझा कर दिया जाएगा। अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आरोप लगाया कि भारत ने को बाधित करने के लिए पाकिस्तान के अंदर हालिया हमले में रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम को निशाना बनाया था। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने हालांकि स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान द्वारा बुधवार रात भारत के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में 15 स्थानों पर हमला करने की कोशिश के बाद गुरुवार को केवल वायु रक्षा रडार और प्रणाली को निशाना बनाया गया था।

पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच खिलाड़ियों ने भारतीय सशस्त्र बलों का किया समर्थन

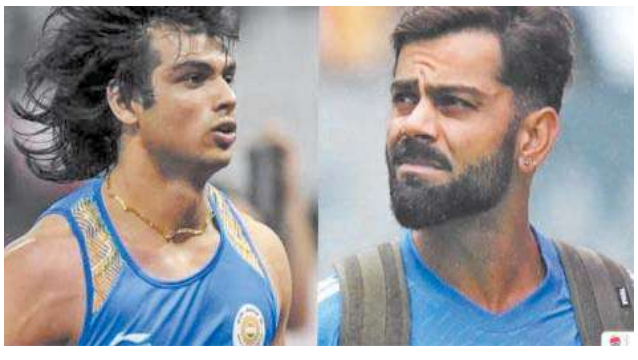

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज चोपड़ा, पीवी सिंधू, रोहित शर्मा, विराट कोहली, वीरेंद्र सहवाग सहित भारत की शीर्ष खेल हस्तियों ने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे के खिलाफ देश की सैन्य कार्रवाई के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और उन्हें 'भारत की आत्मा% करार दिया। भारत ने जम्मू और पठानकोट सहित अपने सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने की पाकिस्तान की कोशिशों को गुरुवार रात को तुरंत विफल कर दिया था।

रोहित ने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'हर गुजरते पल के साथ, हर फैसले के साथ मुझे हमारी भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना पर बेहद गर्व महसूस होता है। हमारे योद्धा हमारे देश के गौरव के लिए खड़े हैं। प्रत्येक भारतीय के लिए जिम्मेदार होना और किसी भी फर्जी खबर को फैलाने या उस पर विश्वास करने से बचना महत्वपूर्ण है। सभी सुरक्षित रहें। ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंद।

विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हम इस कठिन समय में हमारे देश की रक्षा करने के लिए अपने सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उन्हें सलाम करते हैं। हम अपने नायकों की अटूट बहादुरी के लिए हमेशा उनके ऋणी रहेंगे और हमारे महान राष्ट्र के लिए उनके और उनके परिवारों द्वारा किए गए बलिदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

मुझे हमारी भारतीय सेना पर बहुत गर्व है रोहित ने भारतीय सशस्त्र बलों की प्रशंसा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना की प्रशंसा की क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के तहत पड़ोसी देश में 9 स्थानों पर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने के बाद से ही तनाव बना हुआ है जिसे भयावह पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू किया गया था।

रोहित शर्मा ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, हर बीतते पल के साथ, हर लिए गए निर्णय के साथ मुझे हमारी भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना पर बहुत गर्व महसूस होता है। हमारे योद्धा हमारे देश के गौरव के लिए खड़े हैं। हर भारतीय के लिए जिम्मेदार होना और किसी भी झूठी खबर को फैलाने या उस पर विश्वास करने से बचना ज़रूरी है। सभी सुरक्षित रहें! ऑपरेशन सिंदूर जयहिंद।

इससे पहले गुरुवार को क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच पुंछ और राजौरी जिलों में नियंत्रण रेखा के पास सायरन बजने और विस्फोटों की सूचना मिलने के बाद जम्मू में पूर्ण ब्लैकआउट लागू कर दिया गया था। सीमा सुरक्षा बलों ने जम्मू और कश्मीर के सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया।

यह प्रयास 8 मई की रात करीब 11 बजे किया गया था। एक्स पर एक पोस्ट में बीएसएफ जम्मू ने लिखा, 8 मई 2025 को लगभग 2300 बजे, बीएसएफ ने जम्मू और कश्मीर के सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। इसके अतिरिक्त भारतीय सेना ने 8 मई और 9 मई की मध्यरात्रि के दौरान पश्चिमी सीमा और जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान द्वारा किए गए कई ड्रोन हमलों को सफलतापूर्वक खदेड़ दिया और उनका जवाब दिया।

भारतीय सेना ने कहा, पाकिस्तान सशस्त्र बलों ने 08 और 09 मई 2025 की मध्यरात्रि को पूरे पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों का उपयोग करके कई हमले किए। पाक सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कई बार संघर्ष विराम उल्लंघन (सीएफवी) का भी सहारा लिया। ड्रोन हमलों को प्रभावी ढंग से विफल किया गया और सीएफवी को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। भारतीय सेना राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सभी नापाक मंसूबों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा। इससे पहले गुरुवार को भारतीय सेना ने एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर बड़े पैमाने पर ड्रोन विरोधी अभियान के दौरान 50 से अधिक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था।

वैशाख पूर्णिमा के दिन किस पेड़ की पूजा करने से मिलेगा मनचाहा परिणाम

वैशाख पूर्णिमा भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन उनकी विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। भक्त सत्यनारायण व्रत भी रखते हैं और कथा सुनते हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति और निर्वाण भी हुआ था। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से सभी पापों से छुटकारा मिल सकता है। आपको बता दें, इस साल वैशाख पूर्णिमा 12 मई को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि 11 मई को शाम 06.55 बजे शुरू होगी और 12 मई को शाम 07.22 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, व्रत और पूजा 12 मई को की जाएगी। अब ऐसे में इस दिन कुछ ऐसे पेड़-पौधे हैं, जिनका पूजा करने से लाभ हो सकता है।

वैशाख पूर्णिमा के दिन करें पीपल के पेड़ की पूजा

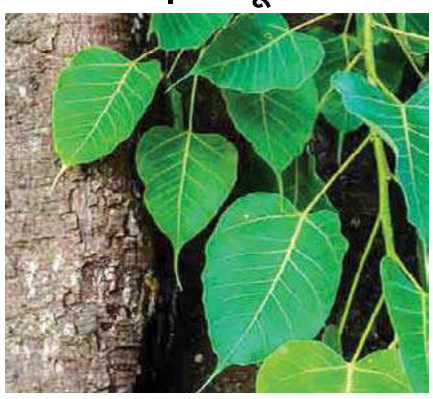

वैशाख का महीना भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है और पीपल के वृक्ष को भी उनका ही स्वरूप माना जाता है। मान्यता है कि वैशाख पूर्णिमा के दिन पीपल की पूजा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और अपनी कृपा बरसाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख पूर्णिमा के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से कुंडली में शनि और गुरु की स्थिति मजबूत हो सकती है।

वैशाख पूर्णिमा के दिन करें तुलसी की पूजा

वैशाख पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की पूजा का भी महत्व है। इसलिए इस दिन तुलसी की पूजा विशेष रूप से करें। ऐसा माना जाता है कि वैशाख पूर्णिमा के दिन तुलसी की पूजा करने से व्यक्ति के पिछले जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं।

वैशाख पूर्णिमा के दिन करें शमी के पेड़ की पूजा

वैशाख पूर्णिमा के दिन शमी के पेड़ की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति की कुंडली में स्थित शनि की स्थिति सही हो सकती है और शनिदेव के अशुभ प्रभावों से भी बचा जा सकता है। इसलिए इस दिन शमी के पेड़ की पूजा से लाभ हो सकता है। साथ ही व्यक्ति की मनोकामनाएं भी पूरी हो सकती है।

वैशाख पूर्णिमा के दिन इन जगहों पर जलाएं दीपक दूर होंगी सभी परेशानियां

वैशाख का महीना भगवान विष्णु को समर्पित है और पूर्णिमा तिथि पर उनकी विशेष पूजा की जाती है। भक्त सत्यनारायण व्रत रखते हैं। इससे सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। अब ऐसे में इस दिन किन स्थानों पर दीपक जलाना शुभ माना जाता है। इसके बारे में इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

सनातन धर्म में वैशाख पूर्णिमा का विशेष महत्व है। वैशाख पूर्णिमा भगवान विष्णु को समर्पित है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन विष्णु की पूजा करने से सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन दान-पुण्य करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इतना ही नहीं ऐसा माना जाता है कि इस दिन किए गए दान का कई गुना फल मिलता है और इससे पिछले पापों का नाश होता है। वैशाख पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। अब ऐसे में ज्योतिष के अनुसार, वैशाख पूर्णिमा के दिन कुछ ऐसे स्थान हैं, जहां दीपक जलाना शुभ माना जाता है।

वैशाख पूर्णिमा के दिन तुलसी के पास जलाएं दीपक

तुलसी को हिंदू धर्म में एक पवित्र पौधा माना जाता है और इसे देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता है। तुलसी भगवान विष्णु को भी बेहद प्रिय मानी जाती है। तुलसी के पौधे में सकारात्मक ऊर्जा का वास माना जाता है। इतना ही नहीं, तुलसी को स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसलिए वैशाख पूर्णिमा के दिन तुलसी के पास घी का दीपक जरूर जलाएं। इससे घर में सुख-शांति का आगमन होता है और नकारात्मकता से छुटकारा मिल सकता है।

घर के ईशान कोण दिशा में जलाएं दीपक

ईशान कोण को वास्तुशास्त्र में देवताओं का स्थान माना गया है। यह दिशा सकारात्मक ऊर्जा का कारक माना जाता है। इस दिशा में दीपक जलाने से घर में सभी देवी-देवताओं की वास होता है। ईशान कोण गुरु और ज्ञान के ग्रह बृहस्पति से संबंधित है। इस दिशा में दीपक जलाने से ज्ञान, बुद्धि और सकारात्मक सोच में वृद्धि होती है।

मुख्य द्वार पर जलाएं दीपक

वैशाख पूर्णिमा के दिन घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से व्यक्ति के घर परिवार में खुशियों का आगमन होता है और घर में कभी भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है।

इतना ही नहीं, मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है और आर्थिक तंगी से भी छुटकारा मिल सकता है।

वैशाख पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी को जरूर चढ़ाएं ये चीजें

हिंदू पंचांग के हिसाब से वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को वैशाख पूर्णिमा कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और चंद्रमा की पूजा विधिवत रूप स करने का विधान है। वैशाख पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इतना ही नहीं, वैशाख माह में चंद्रमा की पूजा और दर्शन करने से व्यक्ति को चंद्रदोष से छुटकारा मिल सकता है और व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। अब ऐसे में इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं कि वैशाख पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी को क्या चढ़ाने से लाभ हो सकता है।

मां लक्ष्मी को चढ़ाएं हल्दी

हिंदू धर्म में वैशाख पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी को हल्दी जरूर चढ़ाएं। हल्दी को धन और समृद्धि का कारक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि वैशाख पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी को हल्दी चढ़ाने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है। आय के साधन भी खुल जाते हैं। वैशाख पूर्णिमा के दिन आप मां लक्ष्मी को हल्दी एक लाल कपड़े में बांधकर फिर चढ़ाएं और माता को चढ़ाने के बाद उस हल्दी को अपनी तिजोरी में रख दें। इससे लाभ हो सकता है।

मां लक्ष्मी को चढ़ाएं कौड़ी

वैशाख पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी को कौड़ी चढ़ाएं। मां लक्ष्मी को कौड़ी बेहद प्रिय है। अगर आप माता को शीघ्र प्रसन्न करना चाहते हैं तो आप 5, 11 या 21 कौड़ी चढ़ाएं। मां लक्ष्मी को कौड़ी चढ़ाने से व्यक्ति को शुक्रदोष और चंद्रदोष से छुटकारा मिल सकता है और जातकों की मनोकामनाएं भी पूरी हो सकती है।

मां लक्ष्मी को चढ़ाएं चावल

वैशाख पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी को चावल चढ़ाने का विशेष महत्व है। चावल को शुद्धता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसलिए इसे माता लक्ष्मी को चढ़ाने से व्यक्ति के जीवन में समृद्धि और ऐश्वर्य का आगमन होता है और जीवन में हमेशा शुभ परिणाम मिलते हैं। साथ ही जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार होती है। इतना ही नहीं, मां लक्ष्मी को चावल अर्पित करने से घर में कभी भी धन और धान्य की कमी नहीं होती है।

रणजीत टाइम्स
08
इंदौर, शनिवार 10 मई 2025
DIGITAL EDITION

भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाए ड्रोन और मिसाइल

पाकिस्तान के 7 झूठ का पर्दाफाश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान द्वारा 8-9 मई की रात को किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों को पूरी तरह नाकाम कर दिया। भारतीय वायु रक्षा प्रणाली, विशेष रूप से एस-400 सुदर्शन चक्र ने पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोनों को नष्ट कर देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कई सैन्य ठिकानों को सुरक्षित रखा। इसके जवाब में, भारत ने तड़के पाकिस्तान के लाहौर, कराची और रावलपिंडी में स्थित सैन्य ठिकानों पर लक्षित हमले किए, जिससे पाकिस्तानी वायु रक्षा रडारों को भारी नुकसान पहुंचा। पाकिस्तान ने भारत की ओर केवल अपने ड्रोन और मिसाइलें ही नहीं भेजीं, बल्कि कई फर्जी वीडियो और दुष्प्रचार की भी बौछार कर दी। हालांकि भारत सरकार ने पाकिस्तान के सभी झूठों का पर्दाफाश कर दिया।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान से चलाए जा रहे दुष्प्रचार अभियान को लेकर प्रेस सूचना ब्यूरो की फैक्ट चेक यूनिट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सात वायरल वीडियो की सच्चाई सामने रखी है। इन वीडियो का उद्देश्य भारतीय जनता में भय फैलाना और भ्रम की स्थिति उत्पन्न करना था। पीआइबी ने 8 मई की रात 10 बजे से 9 मई की सुबह 6:30 बजे तक फैले इन दावों की जांच कर सच्चाई सामने लाई।

1. **जलंधर में ड्रोन हमले का दावा निकला झूठा**– सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में जलंधर में ड्रोन हमले का दावा किया गया था। पीआइबी ने जांच में पाया कि यह वीडियो एक खेत में लगी आग का है, जिसका समय शाम 7 :39 था, जबकि ड्रोन हमले की कोई पुष्टि नहीं हुई। जलंधर के डिप्टी कमिश्नर ने भी इस वीडियो को फर्जी बताया।
2. **'20 राज बटालियन' का हमला – फर्जी और गढ़ा गया वीडियो**– एक वीडियो में दावा किया गया कि पाकिस्तानी सेना ने भारतीय पोस्ट को नष्ट कर दिया। जांच में सामने आया कि यह वीडियो नाटकीय रूप से बनाया गया था और 20 राज बटालियन नाम की कोई यूनिट भारतीय सेना में है ही नहीं।
3. **मिसाइल हमले का दावा – असल में था 2020 का बेरुत विस्फोट**– एक वायरल वीडियो में कहा गया कि पाकिस्तान ने भारत पर मिसाइल हमला किया। पीआइबी ने पुष्टि की कि यह वीडियो वास्तव में 2020 में बेरुत (लेबनान) में हुए धमाके का है।
4. **राजौरी में सेना ब्रिगेड पर 'फिदायीन हमला' – झूठा प्रचार**– जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना की ब्रिगेड पर फिदायीन हमले की खबर फैलाई गई। पीआइबी ने जांच की और बताया कि ऐसा कोई हमला नहीं हुआ। यह खबर सिर्फ लोगों को गुमराह करने के लिए थी।
5. **थलसेनाध्यक्ष के नाम पर फर्जी पत्र वायरल**– एक फर्जी पत्र को थल सेनाध्यक्ष जनरल वी.के. नारायण के नाम से वायरल किया गया था, जिसमें सैन्य तैयारियों का उल्लेख था।

पीआईबी की सलाह

पीआईबी ने कहा कि वे लगातार ऐसी फर्जी खबरों को पकड़ रहे हैं और लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। पीआईबी देश की सुरक्षा और सच्चाई को बनाए रखने के लिए काम कर रहा है।

पाकिस्तान ने भारत की ओर भेजे ड्रोन

पाकिस्तान ने रात के दौरान अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज जैसे 15 शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की। भारतीय सेना के मुताबिक, इन हमलों को न केवल विफल किया गया, बल्कि भारत को कोई नुकसान भी नहीं हुआ। रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, पाकिस्तान के सभी ड्रोन और मिसाइल हमले नाकाम रहे। भारतीय सेना ने अपनी ताकत और तकनीकी दक्षता का शानदार प्रदर्शन किया।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ आई रिपोर्ट अब पीएम और राष्ट्रपति के हाथ

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ कैश कांड में जांच रिपोर्ट चीफ जस्टिस को सौंप दी गई थी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इस पर यशवंत वर्मा को विकल्प दिया था कि वे अपने पद से इस्तीफा दे दें और यदि ऐसा

नहीं किया तो फिर महाभियोग की कार्रवाई की जाएगी। उन्हें जवाब देने के लिए 9 मई तक का वक्त मिला था। जस्टिस वर्मा ने इस संबंध में जवाब भी मुख्य न्यायाधीश को दे दिया है। उनके जवाब और तीन सदस्यीय न्यायिक पैनल की रिपोर्ट को अब चीफ जस्टिस ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के पास बढ़ा दिया है। माना जा रहा है कि अब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई होगी। उन्हें इस्तीफे का विकल्प दिया गया था, जिससे वह पीछे हटते दिखे हैं। ऐसे में महाभियोग का ही विकल्प बचा है।

आखिर कैसे और अब क्या होगी कार्रवाई

अब चीफ जस्टिस ने जब फाइल को प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के समक्ष भेज दिया है तो उनकी भूमिका समाप्त हो जाती है। उनकी ओर से फाइल को पीएम और राष्ट्रपति को बढ़ाने का अर्थ है कि उन्हें हटाने की सिफारिश की गई है। आर्टिकल 124 के तहत किसी जज को हटाने की कार्रवाई नियुक्ति देने वाली अथॉरिटी यानी राष्ट्रपति की ओर से ही हो सकती है।

किसी भी जज को आर्टिकल 124 और आर्टिकल 217 के तहत ही हटाया जा सकता है। इसी के तहत महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लाया जा सकता है। इसके लिए दुर्व्यवहार और अक्षमता को आधार माना जाता है। महाभियोग के प्रस्ताव के लिए यह जरूरी है कि इस पर कम से कम 100 लोकसभा सांसदों और 50 राज्यसभा सांसदों की सहमति हो। सदन के स्पीकर की ओर से महाभियोग प्रस्ताव के लिए तीन सदस्यों की कमेटी भी बनाई जा सकती है। इस कमेटी में न्यायिक क्षेत्र के ही तीन लोग होते हैं। कमेटी में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया या सुप्रीम कोर्ट का कोई जज रहता है। इसके अलावा हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस और कोई अन्य विद्वान न्यायविद इसका हिस्सा रहता है। यदि कमेटी रिपोर्ट को सही पाती है तो फिर उसे सदन में पेश किया जाता है और उस पर वोटिंग होती है। महाभियोग की प्रक्रिया के तहत कम से कम दो तिहाई सांसद जज को हटाने के पक्ष में होने चाहिए। यही नहीं संबंधित जज को संसद के समक्ष पक्ष रखने के लिए भी बुलाया जा सकता है। महाभियोग प्रस्ताव को संसद से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति के साइन की जरूरत होती है। प्रस्ताव को राष्ट्रपति से मंजूरी मिलते ही जज को पद से हटा दिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या मुसलमानों के संभावित निर्वासन पर रोक लगाने से किया इनकार

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली से रोहिंग्या मुसलमानों के संभावित निर्वासन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। रोहिंग्या समुदाय को म्यांमार में हो रहे कथित नरसंहार के चलते भारत में शरणार्थी बताकर याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की थी कि उन्हें भारत में रहने का अधिकार दिया जाए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, दीपांकर दत्ता और एन. कोटेश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि भारत के संविधान के अनुसार देश में निवास करने का अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को प्राप्त है और विदेशी नागरिकों के मामलों में विदेशी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंसाल्विस और वकील प्रशांत भूषण की ओर से दायर याचिकाओं पर विचार करते हुए कहा कि मामले की विस्तृत सुनवाई 31 जुलाई को की जाएगी।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अधिवक्ता कानू अग्रवाल ने कोर्ट को बताया कि पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने असम और जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्या मुसलमानों के निर्वासन पर रोक लगाने से इनकार किया था। केंद्र सरकार ने उस समय राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर खतरा जताया था।

यूएनएचसीआर ने दिया है शरणार्थी का दर्जा

गोंसाल्विस और भूषण ने तर्क दिया कि रोहिंग्या समुदाय को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (यूएनएचसीआर) ने शरणार्थी के रूप में मान्यता दी है और उनके पास शरणार्थी कार्ड भी हैं। ऐसे में उन्हें भारत में रहने और जीवन जीने का अधिकार है।

सॉलिसिटर जनरल ने इसका जवाब देते हुए कहा कि भारत यूएन रिफ्यूजी कन्वर्जन (1951) का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है और यूएनएचसीआर द्वारा दी गई शरणार्थी मान्यता भारत के लिए बाध्यकारी नहीं है। उन्होंने कहा, रोहिंग्या विदेशी नागरिक हैं और सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि निर्वासन से सुरक्षा का अधिकार भारतीय नागरिकों को निवास अधिकार के तहत ही प्राप्त है। पीठ ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार रोहिंग्या प्रवासियों पर भी लागू होता है, लेकिन वे सभी विदेशी हैं और उनके मामलों में विदेशी अधिनियम के अनुसार कानूनन कार्रवाई की जाएगी।

खनियाधाना 10वीं-12वीं बोर्ड में का दबदबा: यंग स्कोलर स्कूल में छात्रा ने किया जिले में तीसरे स्थान पर टॉप

रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने मंगलवार सुबह 10 बजे कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिणाम जारी किया। शिवपुरी जिले के तीन छात्रों ने प्रदेश में टॉप 10 में स्थान बनाकर जिले का नाम रोशन किया। यंग स्कोलर स्कूल खनियाधाना विद्यालय यंग स्कॉलर अकेडमी हायर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल खनियाधाना जिला शिवपुरी से निवेदिका जैन 500 से से 488 अंक प्राप्त कर शिवपुरी जिला में तृतीय स्थान खनियाधाना ब्लॉक में प्रथम स्थान अर्जित कर यह शानदार उपलब्धि हासिल की है। निवेदिका जैन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालय को देते हैं। उनका अगला लक्ष्य UPSC परीक्षा पास कर IAS अधिकारी बनना है। निवेदिका जैन शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं। कठिन परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। निवेदिका जैन का अगला लक्ष्य संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा पास कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) में चयनित होना है। वे देश की सेवा करना चाहती हैं और समाज में बदलाव लाने की इच्छा रखती हैं। उनकी इस सफलता से विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, अभिभावक और पूरे खनियाधाना क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। विद्यालय यंग स्कॉलर अकेडमी हायर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल खनियाधाना प्राचार्य पृथ्वीराज चौहान उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं